कोलकाता

'पानी की कमी : निकट भविष्य के लिए चुनौती'

कोलकाता : 'कन्सर्न फॉर कलकत्ता' की तरफ से 'जल की चुनौतियां से क्यों चिंतित होना चाहिए कोलकाता के नागरिकों' के विषय पर एक परिचर्चा आयोजित की गई। इसमें कई जानीमानी हस्तियों ने अपने विचार रखे। पैटन समूह की बिजनेस डेवलपमेंट विभाग की अध्यक्ष प्रियम बुधिया ने कहा कि सभी विद्यालयों और बहुमंजिली इमारतों में जल संचयन (वाटर हार्वेस्टिंग) की व्यवस्था की जानी चाहिए। जादवपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डा. अरुणाभ मजुमदार ने भविष्य में कोलकाता के लोगों को जल को लेकर किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा इसका ब्योरा पेश किया। उन्होंने कहा कि केएमसी और सरकार का कर्तव्य है कि वे अधिक से अधिक पेयजल की आपूर्ति करे। केएमसी के जलापुर्ति विभाग के पदेन अधिकारी विभाष माइती ने कहा कि जल के अपचय को रोकना सभी नागरिकों का कर्तव्य है। सत्र के अध्यक्ष नारायण जैन के पानी में मौजूद आर्सेनिक को घातक करार देते हुए इस पर प्रकाश डाला। जैन ने कहा कि भारत के साथ ही अन्य विकासशील देशों को भी भविष्य में पानी की कमी का सामना करना पड़ेगा। वक्ताओं ने केएमसी, नगर पालिकाओं, पैकेज्ड और बोतलबंद पीने के पानी की गुणवत्ता के बारे में कई मिथकों को भी तोड़ा। कन्सर्न फॉर कलकत्ता के अध्यक्ष के. एस. अधिकारी ने स्वागत भाषण दिया। अशोक पुरोहित ने सभी को धन्यवाद दिया।

PATTON®